| 37  | ΣAN ΠΑΡΗΤΗΡΟΥΜΕΝΟΙ <sup>1</sup> ΑΥΤΟΝ·                                      | 22 |
|---|---|----|
| 38  | $^2$ ΚΑΙ $"1ΔΟΥ$ $\overline{ΛΝΟΣ}$ $TΙΣ$ $HN$ $"1ΔΡΩΠΙ-$                    | 22 |
| 39  | ΚΟΣ ΕΜΠΡΟΣΘΕΝ ΑΥΤΟΥ· <sup>3</sup> ΚΑΙ ΑΠΟ-                                  | 23 |
| 40  | ΚΡΙΘΕΙΣ Ο ΙΣ ΕΙΠΕΝ ΠΡΟΣ ΤΟΥΣ ΝΟΜΙ-  | 27 |
| Ende der Seite korrekt  |   |    |
|   |   |    |
| Text:   |   |    |
| Blatt   | $28 \to Luk\ 13,28-14,3$  |    |
| Beginn der Seite korrekt  |   |    |
| 01  | 13,28,<br>εκεῖ ἔσται ὁ κλαυθμὸς καὶ ὁ βρυγμὸς                               |    |
| 02  | τῶν ὀδόντων, ὅταν ὄψησθε ᾿Α-  |    |
| 03  | βραὰμ καὶ Ἰσαὰκ καὶ Ἰακὼβ καὶ   |    |
| 04  | πάντας τοὺς προφήτας ἐν τῆ  |    |
| 05  | βασιλεία τοῦ θεοῦ, ὑμᾶς δὲ ἐκβαλλο-   |    |
| 06  | μένους ἔξω. καὶ ήξουσιν ἀπὸ ἀνα-  |    |
| 07  | τολών καὶ δυσμών ἀπὸ βορρᾶ <sup>2</sup> καὶ                                 |    |
| 08  | νότου καὶ ἀνακλιθήσονται ἐν τῆ  |    |
| 09  | βασιλεία τοῦ θεοῦ. καὶ ἰδοὺ εἰσὶν οἳ ἔ-                                     |    |
| 10  | σχατοι <sup>3</sup> οἳ ἔσονται πρώτοι καὶ εἰ-                               |    |
| 11  | σὶν πρῶτοι οἳ ἔσονται ἔσχατοι.  |    |
| $12  ^{31}$ Έν αὐτ $\hat{\mathbf{n}}$ τ $\hat{\mathbf{n}}$ ὤρ $\hat{\mathbf{n}}$ προσ $\hat{\mathbf{n}}$ λθάν τινες |   |    |
| 13  | Φαρισαῖοι λέγοντες αὐτῷ, "Εξελθε  |    |
| 14  | καὶ πορεύου ἐντεῦθεν, ὅτι Ἡρώ̞-   |    |
| 15  | δής σε θέλει $^4$ ἀποκτε $\hat{\imath}$ ναι. $^{32}$ καὶ ε $\hat{\imath}$ - |    |
| 16  | πεν αὐτοῖς, Πορευθέντες εἴπατε  |    |

Korrekt: ΠΑΡΑΤΗΡΟΥΜΕΝΟΙ.
Standardtext: καὶ ἀπὸ βορρα.
Standardtext: ἔσχατοι.
Standardtext: θέλει σε.